Piaget Theory of Moral Development
पियाजे का नैतिक विकास का सिद्धांत

The term "moral" is derived from the Latin word "mores" which means manners, customs and folkways. Moral development refers to the development or moral behaviour and moral concepts. Moral behaviour is a socially desired behaviour. Moral concepts start developing when the child learns what is good and what is bad, what is right and what is wrong

शब्द "नैतिक" लैटिन शब्द "मोर्स" से लिया गया है जिसका अर्थ है शिष्टाचार, रीति-रिवाज और लोकगीत। नैतिक विकास से तात्पर्य विकास या नैतिक व्यवहार और नैतिक अवधारणाओं से है। नैतिक व्यवहार एक सामाजिक रूप से वांछित व्यवहार है। नैतिक अवधारणाएं विकसित होने लगती हैं जब बच्चा सीखता है कि क्या अच्छा है और क्या बुरा है, क्या सही है और क्या गलत है.

Piaget (1932) used the interview method - to find out the various stages of moral development of the child. According to him, there are four stages of moral development: which are as follows: पियाजे (1932) ने साक्षात्कार विधि का उपयोग किया - बच्चे के नैतिक विकास के विभिन्न चरणों का पता लगाने के लिए। उनके अनुसार, नैतिक विकास के चार चरण हैं: जो इस प्रकार हैं:

1. **Anomy (Birth to years) व्यतिक्रम (जन्म से 5 वर्ष तक)**
2. **Heteronomy - authority (5 - 8 years) विषमता - प्राधिकरण (5 - 8 वर्ष)**
3. **Heteronomy Reciprocity (8 - 13 years) विषमता पारस्परिकता (8 - 13 वर्ष)**
4. **Autonomy Adolescence (13 - 18years) स्वायत्तता किशोरावस्था (13 - 18 वर्ष)**

1. **Anomy (Birth to 5 years)** Piaget called the first stage anomy, the stage without the law. At this stage the behavior of child is neither moral nor immoral but is non - moral or moral. So, the child's behaviour is not guided by moral standards. The regulators of behaviour arc pain and pleasure. व्यतिक्रम (जन्म से 5 वर्ष तक) पियाजे ने पहले चरण को व्यतिक्रम कहा, नियम के बिना चरण। इस स्तर पर बच्चे का व्यवहार न तो नैतिक है और न ही अनैतिक है लेकिन गैर-नैतिक या नैतिक है। तो, बच्चे का व्यवहार नैतिक मानकों द्वारा निर्देशित नहीं है। व्यवहार के नियामक दर्द और खुशी हैं।

2. **Heteronomy - Authority (5 to 2 years)** This stage of moral development may be called the discipline of artificial consequences imposed by adults. Moral development controlled by external authority. Rewards and punishment regulate moral development. विषमता - प्राधिकरण (5 - 8 वर्ष) नैतिक विकास के इस चरण को वयस्कों द्वारा लगाए गए कृत्रिम परिणामों का अनुशासन कहा जा सकता है। बाह्य प्राधिकरण द्वारा नियंत्रित नैतिक विकास। पुरस्कार और सजा नैतिक विकास को नियंत्रित करते हैं।

3. **Heteronomy - Reciprocity (8 to 13 years)** At this stage, there is the morality of cooperation with peers or equals. This stage is regulated by reciprocity which implies that conformity with the group becomes necessary at this stage. विषमता पारस्परिकता (8 - 13 वर्ष) इस स्तर पर, सहकर्मियों या समकक्षों के साथ सहयोग की नैतिकता है। इस चरण को पारस्परिकता द्वारा नियंत्रित किया जाता है जिसका तात्पर्य है कि इस चरण में समूह के अनुरूप होना आवश्यक हो जाता है।

4. **Autonomy - Adolescence (13 to 18 years)** Piaget calls the stage as equity stage. Children of this stage demand equality in moral action. The individual at this stage is fully responsible for his behaviour. स्वायत्तता किशोरावस्था (13 - 18 वर्ष) पियाजे इस चरण को इक्विटी चरण कहते हैं। इस चरण के बच्चे नैतिक कार्रवाई में समानता की मांग करते हैं। इस स्तर पर व्यक्ति अपने व्यवहार के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है